सांध्य दैनिक
4PM

जब आपके पास एक मिलियन डॉलर है तो आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। जब आपके पास 10 मिलियन डॉलर हैं तो आप पर संकट है, बहुत बड़ा सिर दर्द। -जैक मा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 220 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 19 सितम्बर, 2022

संविधान की रक्षा के लिए भगवा पार्टी को... 8 | अब पदयात्रा से प्रदेश में सियासी... 3 | आप को कुचलने की बनायी जा... 7

मानसून सत्र का आगाज सपा का सड़क पर संग्राम

पैदल मार्च को रोका तो विधायकों संग धरने पर बैठे अखिलेश

- महंगाई, बेरोजगारी समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा, सत्र की कार्यवाही का किया बहिष्कार
- धरना स्थल पर आयोजित की प्रतीकात्मक विधान सभा, दिवंगत विधायक को दी श्रद्धांजलि
- धरना खत्म कर विधायकों समेत पार्टी कार्यालय लौटे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर विधान सभा के मानसून सत्र का आज आगाज हुआ तो दूसरी ओर महंगाई-बेरोजगारी समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। सपा नेता, विधायक और कार्यकर्ता विधान भवन की ओर बढ़े तो उन्हें रास्ते में पुलिस ने रोक लिया। इससे नाराज अखिलेश यादव अपने विधायकों व कार्यकर्ताओं के साथ सड़क पर ही धरने पर बैठ गए और वहीं प्रतीकात्मक विधान सभा आयोजित की।

सपा ने ऐलान किया था कि नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पार्टी कार्यालय से विधानभवन तक पैदल मार्च कर आज विधान सभा सत्र में भाग लेने के लिए पहुंचेंगे लेकिन मार्च के दौरान रूट बदलने से सपा विधायक नाराज हो गए और पहले से तयशुदा मार्ग पर आगे बढ़ने की अनुमति मांगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, यदि रोकना था तो कल परमिशन क्यों दिया ? उन्होंने कहा कि यूपी की सड़कें जर्जर हैं। जलभराव से लोग परेशान हैं। यूपी के किसानों को गन्ने की कीमत नहीं मिल रही है। वहीं प्रशासन का कहना था कि जीपीओ के बजाय वीवीआईपी गेस्ट हाउस और एनेक्सी होते हुए विधान सभा जाएं। इस पर अखिलेश यादव व सपा विधायक सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। सपा ने बढ़ती महंगाई, किसानों की समस्याओं और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार के विरोध में इस पदयात्रा का आयोजन किया था। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। अखिलेश के नेतृत्व में पैदल मार्च कर रहे सपा विधायकों के हाथ में पोस्टर और बैनर थे। इन पर महंगाई और बेरोजगारी की समस्या को उजागर करने वाले नारे लिखे थे। यही नहीं सपा ने सत्र का बहिष्कार करते हुए धरना स्थल पर ही प्रतीकात्मक विधान सभा सत्र का आयोजन किया। पूर्व विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में कार्यवाही की गयी। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शोक प्रस्ताव रखा जिसमें लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ के दिवंगत विधायक अरविंद गिरी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, इसके बाद धरना खत्म किया गया।

फोटोः सुमित कुमार

विधान सभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया। विधान सभा में दिवंगत विधायक अरविंद गिरी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधान सभा का मानसून सत्र 23 सितंबर तक चलेगा।

सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार सरकारः सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। जनता को इस सत्र से बड़ी उम्मीदें हैं। अखिलेश के मार्च पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध सही है। उन्हें अनुमति के हिसाब से पैदल मार्च करना चाहिए था ताकि जनता को दिक्कत न हो। सपा से ये उम्मीद करना कि वे किसी नियम को माने, किसी शिष्टाचार को माने यह एक कपोल कल्पना ही होगी।

प्रतिपक्ष के प्रति द्वेषपूर्ण रवैया अपना रहा सत्ता पक्षः मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि मानसून सत्र से पहले भाजपा का यह दावा कि प्रतिपक्ष बेरोजगार है इनकी अहंकारी सोच व गैर-जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करता है। सरकार की सोच जनहित व जनकल्याण के प्रति ईमानदारी एवं वफादारी साबित करने की होनी चाहिए न कि प्रतिपक्ष के विरुद्ध द्वेषपूर्ण रवैये की। यूपी सरकार अगर प्रदेश के समुचित विकास व जनहित के प्रति चिन्तित व गंभीर होती तो उनका यह विपक्ष-विरोधी बयान नहीं आता बल्कि वे बताते कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, गड्ढायुक्त सड़कें, बदतर शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था में नजर आने वाला सुधार किया है और पलायन को भी रोका है।

सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सख्ती से निपटें : सीएम योगी

» समीक्षा बैठक में आदेश- महिला अपराध के मामलों में ऐसी कार्रवाई करें जो बने नजीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। इसका सख्ती से पालन कराया जाए। खासकर महिला अपराध के मामलों में ऐसी कार्रवाई की जाए जो नजीर बने। मुख्यमंत्री रविवार को फील्ड में तैनात अफसरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे। बीते दिनों लखीमपुर के निघासन में दो दलित बहनों की दुष्कर्म के बाद हत्या समेत कई अन्य जिलों में हाल के दिनों की वारदातों को लेकर मुख्यमंत्री नाराज दिखे।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति पुलिस निरंतर संवेदनशील रहे। कानून-व्यवस्था की स्थिति को निरंतर बेहतर बनाए रखने के लिए पुलिस बल फुट पेट्रोलिंग करे। वरिष्ठ अधिकारी खुद इसमें हिस्सा लें। यूपी 112 की पीआरवी लगातार सक्रिय रहे और भ्रमणशील रहे ताकि किसी घटना की सूचना मिलने पर कम से कम समय में पुलिस मौके पर पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटी-छोटी

घटनाओं को गंभीरता से लिया जाए और उनके प्रति सतर्क दृष्टि बनाकर रखी जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर त्वरित एक्शन लिया जाए ताकि घटना बड़ी न बनने पाए। मुख्यमंत्री ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का जिक्र करते हुए कहा कि ड्रग माफिया और अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग सोशल मीडिया के जरिए अराजकता फैलाते हैं उन्हें चिह्नित किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने एंटी रोमियो स्क्वायड को पूरी तरह से सक्रिय करने के निर्देश दिए। कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए खासकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर शोहदों पर नजर रखी जाए और शरारत करने वालों से कड़ाई से पेश आया जाए। उन्होंने त्योहारों के मद्देनजर अधिकारियों को संवेदनशील और सतर्क रहने के निर्देश दिए। कहा कि त्योहारों पर साफ-सफाई के साथ- साथ सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए जाएं।

पहले पुलिस को दौड़ाने वाले आज खुद बचके भाग रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था आज देश और दुनिया में नजीर बनती दिखाई दे रही है। यूपी की कानून व्यवस्था की लोग चर्चा करते नजर आते हैं। वर्ष 2017 के पहले जिस राज्य में दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी चरम पर थी, जहां पुलिस भागती थी और अपराधी उन्हें दौड़ाते थे, आज कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों में पुलिस का खौफ है। प्रदेश में अपराधियों में कानून का भय है। साथ ही कानून का राज स्थापित होने से यूपी निवेश में लोगों का पसंदीदा राज्य बन गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने अखिलेश के पाले में डाली गेंद

» शिवपाल यादव को आगे की कुर्सी देने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रसपा संस्थापक शिवपाल सिंह यादव को विधानसभा में आगे की कुर्सी देने के मामले में गेंद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है। अब सपा अध्यक्ष को तय करना है कि शिवपाल आगे बैठेंगे या पीछे। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव को विधान सभा में पीछे की सीट दी गई है।

इस पर शिवपाल ने एतराज जताया था। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी वरिष्ठता का हवाला देते हुए आगे की कुर्सी अलॉट करने की मांग की थी। इस बीच अखिलेश यादव ने भी विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा कि शिवपाल यादव की अपनी पार्टी है। वह प्रसपा के मुखिया हैं। ऐसे में उन्हें आगे की सीट अलॉट की जाए। उम्मीद थी कि शिवपाल को विधानसभा सत्र के दौरान आगे की सीट दी जा सकती है, लेकिन रविवार शाम तक ऐसा नहीं हुआ है। इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने साफ कहा कि शिवपाल यादव को आगे की कुर्सी देने का कोई प्रावधान नहीं है। वह सपा के विधायक हैं। सपा के लिए आगे की दो कुर्सी अलॉट की गई है। यह सपा अध्यक्ष को तय करना है कि शिवपाल आगे बैठेंगे या पीछे।

पहली बार यूपी विधान सभा का एक दिन होगा महिला सदस्यों के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में पहली बार यूपी विधानसभा का एक दिन महिला सदस्यों के नाम होगा। 19 सितंबर से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र से पहले रविवार को सीएम योगी ने इसकी घोषणा की। भाजपा और सहयोगी दलों के विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्यों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस बार के मानसून सत्र में हमने 22 सितंबर का दिन दोनों सदनों की महिला सदस्यों के लिए आरक्षित रखा है। देश की किसी विधानसभा में ऐसा पहली बार हो रहा है।

उस दिन विधानसभा की 47 और विधान परिषद की 6 महिला सदस्य ही अपना विषय रखेंगी। सीएम योगी ने महिला सदस्यों से अनुरोध करते हुए कहा कि वह राज्य सरकार की ओर से प्रदेश की महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन

शक्ति कार्यक्रम के विषय में जरूर बोले। सीएम योगी ने संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से अनुरोध करते हुए कहा कि इस दिन को विशेष बनाने के लिए महिला सदस्य को दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारी बनाएं। सीएम योगी ने कहा एक जनप्रतिनिधि को एक जननेता बनने के लिए कुछ मौलिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। जब विधानमंडल की कार्यवाही चल रही हो तो उस दौरान हम पूरी तन्मयता के साथ उसमें हिस्सा लें। साथ ही अपने आचरण और समय का विशेष ध्यान रखें।

चंडीगढ़-दिल्ली की तर्ज पर स्मार्ट होंगे यूपी के गांव

» ग्रामीण पर्यटन को दिया जाएगा विशेष महत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के तमाम शहरों को स्मार्ट करने की कवायद के बाद अब स्मार्ट गांव की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। प्रयागराज के गांवों को देश के खूबसूरत शहरों में शुमार चंडीगढ़, दिल्ली और इंदौर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रदेशभर के सीडीओ का एक प्रशिक्षण लखनऊ में हुआ, जिसमें भारत सरकार, प्रदेश सरकार के तमाम मंत्रियों के साथ ही विशेषज्ञों ने शिरकत की।

इसमें गांव को स्मार्ट बनाने पर चर्चा हुई। गांवों को स्मार्ट बनाने की दिशा में तमाम नए काम होंगे। यहां पर सड़कों का निर्माण, जल निकासी का मार्ग, कूड़ा उठाने के लिए बैट्री चालित वाहन, और अधिकांश जगह सोलर पैनल लगाने के

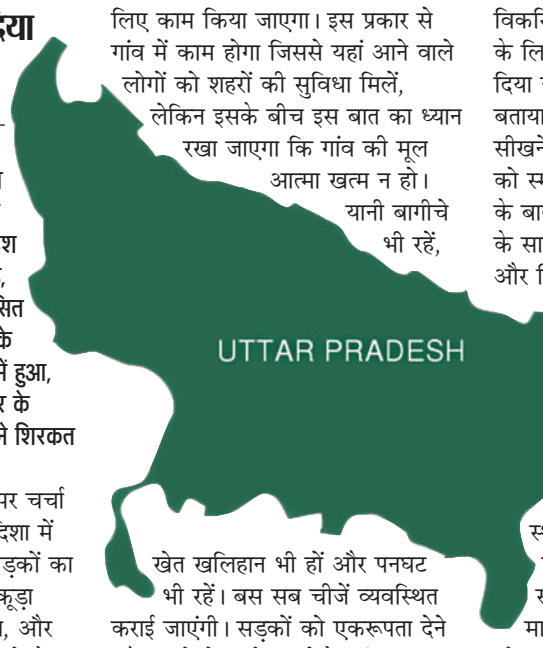

लिए काम किया जाएगा। इस प्रकार से गांव में काम होगा जिससे यहां आने वाले लोगों को शहरों की सुविधा मिलें, लेकिन इसके बीच इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि गांव की मूल आत्मा खत्म न हो। यानी बागीचे भी रहें, खेत खलिहान भी हों और पनघट भी रहें। बस सब चीजें व्यवस्थित कराई जाएंगी। सड़कों को एकरूपता देने और बायो वेस्ट से ऊर्जा के सांसाधन विकसित किया जाएगा। आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांवों में तैयार उत्पाद को बाजार दिया जाएगा। सीडीओ शिपू गिरि ने बताया कि इस प्रशिक्षण में तमाम चीजें सीखने वाली थीं। जिसके आधार पर गांव को स्मार्ट बनाया जाएगा। गांव में प्रवेश के बाद कुछ कुछ दूरी पर प्रमुख स्थलों के साइनेज लगाए जाएंगे। वहां की दूरी और विशेषता भी लोगों को मालूम होगी। हमारे जिले में तमाम ऐसे पर्यटन स्थल हैं जो गांवों में हैं। शहरी क्षेत्र के स्थलों का विकास तो हो रहा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में विकास के लिए काम करना है। ऐसे धार्मिक और पर्यटन के महत्व के स्थलों को विकसित कर इसकी सूचना जिला मुख्यालय और रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन पर डिजिटल माध्यम से फ्लैश की जाएगी, जिससे लोग चाहें तो इन स्थलों पर जा सकें।

हाईकोर्ट ने पर्यावरण को लेकर सात विभागों को किया तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उन्नाव में शुक्लागंज उन्नाव फोरलेन निर्माण के दौरान ढाई हजार से अधिक हरे पेड़ काटे गये थे। इसके एवज में कोई भी पौधरोपण नहीं किया गया, जिस पर संदेश फांडेशन ने जन सूचना के माध्यम से जबाव मांगा। विभाग ने किसी तरह फोरलेन के किनारे मात्र एक हजार पौध रोपण कर खानापूर्ति कर दी। पर्यावरण संतुलन को देखते हुये पूर्व नौ सैनिक ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव, वन विभाग समेत सात अन्य विभागों को नोटिस देकर अगली तारीख को तलब किया है।

वर्ष 2015-16 में फोरलेन बनने के दौरान 2 हजार 235 वृक्षों का पतन किया गया था। उसके स्थान पर मार्ग के दोनों ओर 4500 ब्रिकगार्ड वृक्षारोपण का कार्य प्रस्तावित था। चौड़ीकरण के दौरान वृक्षों के पतन से पहले ही कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी द्वारा धनराशि 3 करोड 12 जाख 93 हजार रूपये से कैम्पा (प्रतिपूरक वनीकरण नियंत्रण वृक्षारोपण प्राधिकरण) कोष में जमा करा दी गई थी। लेकिन वन विभाग द्वारा पौधरोपण नहीं कराया गया। जिस पर डॉक्टर कॉलोनी निवासी संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष, पूर्व नौ सैनिक व पूर्ण रणजी खिलाड़ी ने जन सूचना के माध्यम से जबाव मांगा। जिस पर वन विभाग द्वारा 2022 में में उपरोक्त पौध रोपण कराया गया। मात्र 1000 पौधों का पौध रोपण ही मुमकिन है। शेष 3500 पौधों का रोपण राज्य के भिन्न-भिन्न मार्गों पर करा दिया, जिसे देखते हुये उन्होंने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की।

अब पदयात्रा से प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करेंगे अखिलेश यादव

» एसी कमरों के आरोपों का जवाब देने की तैयारी में सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एसी कमरों से राजनीति करने का हमेशा आरोप लगता रहा है। भाजपा और बसपा ही नहीं पिछले विधान सभा में समाजवादी पार्टी की सहयोगी रही सुभासपा ने भी यही आरोप लगाकर गठबंधन तोड़ लिया था। इन आरोपों का जवाब देने की अखिलेश यादव ने तैयारी कर ली है। अभी तक रथयात्रा और साइकिल यात्राएं करने वाले अखिलेश यादव अब पदयात्रा करेंगे।

यह पदयात्रा भले ही केवल ढाई से तीन किलोमीटर की होगी लेकिन इसका संदेश बड़ा देने की समाजवादी पार्टी ने पूरी तैयारी कर ली है। सपा मुखिया पहली बार पदयात्रा करने जा रहे हैं। यह पदयात्रा 19 तारीख को सपा मुख्यालय से विधानभवन तक होगी। विधान सभा सत्र में भाग लेने के लिए नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की तरफ से इस तरह का प्रतीकात्मक अभियान शुरू होगा। अभी तक सपा अध्यक्ष कई रथयात्राएं निकाल कर जनता के बीच जा चुके हैं। वह कई मौकों पर साइकिल यात्राएं निकालते रहे हैं। साइकिल उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह भी है। अखिलेश लखनऊ समेत कई जिलों में धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं पर अब उन्होंने पैदल मार्च का विकल्प चुना है। यह निर्णय तब हुआ जब सपा विधायकों को विधानभवन में धरना देने के अभियान को रोक दिया गया।

बीजेपी के कारनामों पर सम्मेलनों में होगी चर्चा

अखिलेश यादव ने सम्मेलनों की घोषणा करते हुए कहा था कि जिस तरह से बीजेपी ने राजनीतिक एवं आर्थिक संकट पैदा किया है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया है। इन सम्मेलनों में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बीजेपी द्वारा कमजोर किए जाने, अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट, राजनीतिक दल-बदल को बढ़ावा देने और सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालने पर भी विशेष चर्चा लेगी। इसके अलावा यूपी में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र की बदहाली, बढ़ते भ्रष्टाचार और किसानों-नौजवानों के साथ धोखा आदि मसलों पर राजनीतिक-आर्थिक प्रस्तावो के जरिये प्रकाश डाला जाएगा।

अभियान के जरिए कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

अब सपा इस नए अभियान के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम करेगी। माना जा रहा है भविष्य में अखिलेश यादव पैदल यात्रा जैसा कोई अभियान लोक सभा चुनाव के मद्देनजर चलाएंगे। असल में सपा विरोधियों द्वारा अखिलेश यादव पर एसी कमरे से बाहर न निकलने का आरोप लगता रहा है। यह आरोप सुभासपा, बसपा व भाजपा तक लगाती रही है। इसे चुनावों के दौरान बयानबाजी से मुद्दा बनाया जाता रहा है। सपा के वरिष्ठ नेता बताते हैं कि इस तरह के अभियान के तहत सड़क पर आने व पैदल चलने से विरोधियों के हाथ से यह मुद्दा भी छिन जाएगा।

लोक सभा चुनाव 2024 के संबंध में होगी चर्चा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को आजम खान का हाल जानने दिल्ली पहुंचे थे। आजम तीन दिन से गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे। आज वह डिस्चार्ज होकर यूपी सदन दिल्ली के सरकारी आवास पहुंच गए। उनकी इस मुलाकात के अब कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक मुलाकात के दौरान अखिलेश ने आजम खान को 28 सितंबर को राज्य और 29 सितंबर को राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण भी दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि मुलायम सिंह यादव सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। वहीं इस अधिवेशन में अखिलेश दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाएंगे। अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय व राज्य सम्मेलन बुलाया है। ये दो दिनी सम्मेलन लखनऊ में आयोजित होंगे। यह पार्टी का 11वां सम्मेलन होगा। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय सम्मेलन 28 सितंबर और राज्य सम्मेलन 29 सितंबर को होगा। सम्मेलनों में प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के अलावा लोक सभा चुनाव 2024 के संबंध में चर्चा होगी।

सेवा पखवाड़े से निकाय चुनाव को साधने में जुटी भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से हुआ आगाज, दो अक्टूबर तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

तीन करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित, सरकार की योजनाओ की दी जाएगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा प्रदेश की सत्ता में लौटी भाजपा ने अब लोक सभा चुनाव पर निगाहें गड़ा दी है। यूपी की सभी 80 सीटों पर जीत के लक्ष्य तय करने के बाद अब भाजपा ने नगर निकाय चुनाव में सभी 17 नगर निगम और 200 नगर पालिका परिषदों के साथ अधिकांश नगर पंचायतों में भगवा फहराने की तैयारी कर ली है। निकाय चुनाव को साधने के लिए भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से सेवा पखवाड़ा शुरू कर लोगों के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत दो अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

निकाय चुनाव को लोक सभा चुनाव का सेमीफाइनल मानते हुए पार्टी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरने का रोडमैप तैयार कर लिया है। प्रदेश में नवंबर-दिसंबर में कुल 753 नगरीय निकाय संस्थाओं में चुनाव होना है। भाजपा का मानना है कि इस चुनाव से ही 2024 के लिए भाजपा का माहौल बनने की शुरुआत होगी। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बेहतर परिणाम लाने की रणनीति तैयार कर ली है। इसके तहत 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े के जरिए सरकार के मंत्री और संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता 15 दिन में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से तीन करोड़ से अधिक लोगों के बीच पहुंचेंगे। सेवा पखवाड़े के जरिए ही निकाय चुनाव के लिए माहौल तैयार किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रदर्शनी लगाई जा रही। सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जा रही है। इसके अलावा भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन 25 सितंबर को प्रदेश के 1.60 लाख से अधिक बूथों पर मनाएगी और उस दिन सभी बूथों पर मोदी के मन की बात को भी सुना जाएगा।

नमो प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 72वें जन्मदिन पर देश-विदेश में अनेक आयोजन के बीच लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमतीनगर में पीएम मोदी के जीवन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ छाया चित्र प्रदर्शनी कहानी भारत मां के सच्चे सपूत का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत माता के सच्चे सपूत हैं, जैसा इस प्रदर्शनी का शीर्षक भी है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री एक भारत-श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार है। उनके नेतृत्व में बीते आठ वर्षों में जनता ने जिस नए भारत की शिल्प रचना होते हुए देखी है, उससे वह इस निष्कर्ष पर पहुंच चुकी है कि पीएम मोदी ही सच्चे अर्थों में सभी की जन आकांक्षाओं के प्रतिबिंब और भारतीयता के प्रतीक हैं।

काशी में भी कार्यक्रमों की धूम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में उनका जन्मोत्सव पूरे 15 दिनों तक मनाया जाएगा। यहां उनकी दीर्घायु के लिए हवन और पूजन के अलावा खास अनुष्ठान किए जा रहे हैं। भाजपा के काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेशचन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यकर्ता अपने सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को खास बनाने के लिए 15 दिनों तक विशेष सेवा पखवाड़ा अभियान चला रहे हैं। इस दौरान जगह-जगह उत्सव, दीपोत्सव के साथ जन सेवा के लिए ब्लड डोनेशन कैम्प, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, दिव्यांगों को फ्री उपकरण, स्वच्छता अभियान, वृद्धा आश्रम में वृद्ध महिलाओं की सेवा सहित 15 दिनों में सेवा के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसके अलावा आत्मनिर्भर भारत के लिए भी भाजपा के कार्यकर्ता वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट से जुड़े सामानों की प्रदर्शनी लगाई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत में चीते की वापसी के मायने

केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बाद आखिरकार भारत में चीते की वापसी हो गयी। पीएम मोदी ने नामीबिया से आए आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े में छोड़ा दिया है। तीन नर और पांच मादा चीतों को विशेष विमान से यहां लाया गया। तीस दिन की निगरानी के बाद यदि सबकुछ ठीक रहा तो इन्हें नेशनल पार्क में छोड़ दिया जाएगा और जनता इनको रफ्तार भरते देख सकेगी। सरकार की योजना अगले पांच साल तक अफ्रीका के अलग-अलग देशों से चीते लाकर भारत में बसाने और इनका संरक्षण करने की है ताकि जैव विविधता को बढ़ावा मिल सके। सवाल यह है कि भारत में चीतों की वापसी के क्या मायने हैं? वैश्विक स्तर पर देश की साख पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या चीते स्थानीय आर्थिकी के विकास में अहम भूमिका निभा सकेंगे? क्या भविष्य में यह पर्यावरण और विकास में संतुलन स्थापित करने की भारत की भूमिका को रेखांकित कर सकेगा? क्या जैव विविधता के संरक्षण में यह बड़ी पहल है?

सवाल यह है कि भारत में चीतों की वापसी के क्या मायने हैं? वैश्विक स्तर पर देश की साख पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या चीते स्थानीय आर्थिकी के विकास में अहम भूमिका निभा सकेंगे? क्या भविष्य में यह पर्यावरण और विकास में संतुलन स्थापित करने की भारत की भूमिका को रेखांकित कर सकेगा? क्या जैव विविधता के संरक्षण में यह बड़ी पहल है?

छत्तीसगढ़ के कोरिया में 1947 में आखिरी बार चीता देखा गया था। 1952 में देश से चीतों के विलुप्त होने की घोषणा की गई। भारत से चीतों के विलुप्त होने का सबसे बड़ा कारण इनका व्यापक पैमाने में शिकार किया जाना रहा। हालांकि तब सरकार ने चीतों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने का ऐलान किया था। 1970 के दशक में ईरान से एशियाई शेरों के बदले चीतों को भारत लाने की बात शुरू हुई लेकिन ईरान ने कम आबादी के कारण चीता देने से इंकार कर दिया। इसके बाद मामला ठंडा पड़ गया। 2009 में देश में चीतों को लाने की कोशिशें नए सिरे से शुरू हुई। इसके लिए अफ्रीकन चीता इंट्रोडक्शन प्रोजेक्ट इन इंडिया शुरू किया गया। दस वन्य अभयारण्यों का सर्वेक्षण किया गया और मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क को चीतों के लिए चयनित किया गया। इस मामले में मोदी सरकार को सफलता मिली और नामीबिया से चीते लाए गए। जीव विज्ञानियों के मुताबिक अफ्रीकी चीते ही दुनिया भर के चीतों के पूर्वज हैं और नए वातावरण में खुद को आसानी से ढाल लेते हैं। चीता धरती पर दौड़ने वाला सबसे तेज जानवर है। इसकी रफ्तार 130 किमी प्रति घंटा है। भारत में यदि चीतों को बसाने का प्रयोग सफल रहता है तो विश्व स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण में भारत की साख बढ़ेगी और इसके अलावा विलुप्त होने के कगार पर खड़े पशु-पक्षियों के संरक्षण के प्रति अन्य देशों का भी रूझान बढ़ेगा। इसका असर स्थानीय स्तर पर भी पड़ेगा। चीतों के अभयारण्य में रखने से वहां पर्यटन केंद्र विकसित होगा इससे स्थानीय रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मजबूत होती देश की अर्थव्यवस्था

प्रह्लाद सबनानी

पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक योगदान सेवा क्षेत्र का रहता है एवं रोजगार के सबसे अधिक नए अवसर भी इसी क्षेत्र में ही निर्मित होते हैं। इस दृष्टि से कोरोना महामारी के बाद हाल ही में बहुत अच्छी खबर आई है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में सेवा क्षेत्र एक बार पुन: मजबूत आधार के रूप में उभर कर सामने आया है। महामारी काल में सेवा क्षेत्र ही सबसे अधिक प्रभावित हुआ था परंतु अब सेवा क्षेत्र में तेजी से हुए सुधार की वजह से देश का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई अगस्त 2022 में 57.2 अंकों पर पहुंच गया है, जो जुलाई में 55.5 अंकों के स्तर पर था। आर्थिक गतिविधियों, विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में हुए सुधार के चलते भारत में रोजगार भी पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़ा है।

सेवा क्षेत्र में व्यापार, होटल और रेस्तरां, परिवहन, भंडारण और संचार आदि से जुड़ी गतिविधियों शामिल हैं। उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में भी सुधार हुआ है परंतु सेवा क्षेत्र में आए उछाल के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। भारत से आगे अब केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी हैं। ऐसी संभावना है कि 2030 तक भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारतीय अर्थव्यस्था में लगातार तेज गति से हो रही वृद्धि के कारण देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आने लगी है। अप्रैल-जून 2022 तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 13.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जबकि विश्व की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं जैसे- चीन की इस अवधि में जीडीपी वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है, स्पेन में 1.1, इटली में 1.0, फ्रांस में 0.5, जर्मनी में 0.1 , ब्रिटेन में -0.10 और अमेरिका में -0.6 प्रतिशत रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी प्रतिवेदन में बताया गया है कि अप्रैल-जून 2022 तिमाही में भारत में शहरी बेरोजगारी की दर घटकर 7.6 प्रतिशत पर आ गई है जो जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में 8.2 प्रतिशत, अप्रैल-जून 2021 तिमाही में 12.7 प्रतिशत थी। वहीं देश के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को रोजगार दिलाने वाले 'स्टाफिंग' उद्योग ने भी रोजगार के अवसरों को लेकर एक बड़ा दावा किया है। 'स्टाफिंग' उद्योग ने 2021-22 में 12.6 लाख कामगारों को जोड़ा है, जिसमें से अस्थायी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी 27 प्रतिशत रही है। अधिकतर रोजगार डिलिवरी सेवाओं के रूप में निर्मित हुए हैं। जिसमें कुल कामगारों की हिस्सेदारी

40 प्रतिशत की रही है। कामगारों को दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, ई-कॉमर्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अधिक रोजगार मिला है। केंद्र सरकार अब सेवा क्षेत्र के अलावा उद्योग क्षेत्र विशेष रूप से कपड़ा उद्योग पर भी विशेष ध्यान दे रही है क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। भारत में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार देश में 75 टेक्सटाइल हब की स्थापना करने जा रही है। इससे देश के युवाओं के लिए रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होंगे। वर्तमान में केवल तमिलनाडु का तिरुपुर ही भारत का प्रमुख टेक्सटाइल हब माना जाता है। देश में इस उद्योग का आकार 10 लाख करोड़ से अधिक का है और देश से कपड़े का निर्यात 3.5 लाख करोड़ का हो रहा हैं। केंद्र सरकार की योजना है कि आगामी 5 वर्षों में टेक्स्टायल हब से 10 लाख करोड़ के कपड़े का निर्यात किया जाये और उद्योग के आकर को 20 लाख करोड़ तक ले जाया जाये। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत से वस्त्र और परिधान का निर्यात 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4,440 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है, जो अभी तक किसी भी वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। ,

इस संदर्भ में विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया से हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को बहुत लाभ होने की संभावना है। इसी प्रकार के समझौते यूरोपीय यूनियन, कनाडा, ब्रिटेन एवं अमेरिका से भी किए जा रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों (सेवा, उद्योग एवं कृषि) में आर्थिक गतिविधियों के गति पकड़ने से वैश्विक आर्थिक संकट के बीच वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की रेटिंग को बरकरार रखा है। मूडीज के अनुसार, भारतीय बैंकिंग प्रणाली की गुणवत्ता में और सुधार होगा क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था अब महामारी के दौर से निकल रही है। भारत के विकास का स्थिर दृष्टिकोण दर्शाता है कि भारत में वित्तीय जोखिम अब कम हो रहे हैं। भारतीय बैंकों के पास पूंजी का पर्याप्त बफर उपलब्ध है, भारतीय बैंकों में तरलता की स्थिति भी संतोषजनक है। ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था का रफ्तार पकड़ना तय है।

भारतीय भाषाओं के प्रति कर्तव्य निभाने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

देश की राजधानी दिल्ली में एक राजपथ हुआ करता था, अब उसका नाम बदल दिया गया है। अब वह कर्तव्य-पथ कहलाता है। इस नये नामकरण के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इस नामांतरण के माध्यम से हमने गुलामी की एक और पहचान को समाप्त कर दिया है। वैसे यह राज-पथ नाम अंग्रेजों का दिया नहीं था, फिर भी लोकतंत्र में 'राज' के साथ जुड़ी यादों के लिए कोई स्थान न होने की प्रधानमंत्री की बात सुनकर अच्छा लगा था। पर जब प्रधानमंत्री यह बात कह रहे थे तो मुझे अचानक टी.वी. पर अक्सर दिखाये जा रहे एक विज्ञापन की याद आ रही थी। यह विज्ञापन दिल्ली सरकार द्वारा जारी किया गया था और इसमें एक सामान्य-जन, इस्तरी करने वाले, को इस बात का संतोष और गर्व प्रकट करते दिखाया गया था कि 'अब मेरा बेटा भी फर्राटेदार अंग्रेजी बोलेगा'। इस विज्ञापन का रिश्ता दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा खोले गये अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से था।

इस विज्ञापन के दिखाये जाने के कुछ ही दिन बाद टी.वी. पर एक और विज्ञापन आया- यह विज्ञापन राजस्थान सरकार द्वारा जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि राजस्थान के लोग इस बात से खुश हैं और गौरवान्वित भी कि अब राजस्थान सरकार ने अंग्रेजी माध्यम के पंद्रह सौ स्कूल खोल दिये हैं और राज्य में यह प्रक्रिया जारी है। दरअसल, लंबे अर्से से देश के अलग-अलग राज्यों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलकर बच्चों और अभिभावकों को गर्व का अहसास कराया जा रहा है। राज-मार्ग वाले प्रकरण में जब प्रधानमंत्री गुलामी की एक और निशानी के मिटाने की बात कर रहे थे तो 'फर्राटेदार अंग्रेजी' बोलने के गर्व के अहसास वाली बात का याद आना स्वाभाविक था। यह कैसी विडंबना है कि एक परायी भाषा आज़ादी के पचहत्तरवें साल में हमें गर्व का अहसास दे रही है।

राजस्थान सरकार वाले विज्ञापन में तो विडंबना और भी बड़ी है। जिन 15 सौ स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाया जा रहा है उनका नाम महात्मा गांधी विद्यालय है। पता नहीं हमारे वर्तमान शासकों में से कितनों को यह बात याद है कि राष्ट्रपिता ने आजादी मिलने से पहले ही यह कहना जरूरी समझा था कि देश में कम से कम प्राथमिक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए। दुनिया भर के शिक्षाविद् इस बात पर सहमत हैं कि शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम मातृभाषा ही हो सकती है। अंग्रेजी पढ़ना या बोलना गर्व की बात मानी जाती थी, क्योंकि अंग्रेज़ी शासकों की भाषा थी। पर आजाद भारत में 'फर्राटेदार अंग्रेजी' बोलने, अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ने को 'गर्व की और खुशी की बात' समझना वस्तुत: एक शर्म की बात ही है। यह एक संयोग ही हो सकता है कि भाषा से जुड़ी यह बात सितंबर के महीने में हो रही है, जब कि देश ने हाल ही में राजभाषा दिवस मनाया है। राजभाषा अर्थात वह भाषा जिसमें देश का राज-काज चलता है। स्वतंत्र भारत ने अपने लिए जो संविधान बनाया उसमें हिंदी को देश की राज-भाषा घोषित किया गया था और राज्यों में यह स्थान राज्यों की भाषाओं को दिया गया था। दुर्भाग्य से, कुछ राज्यों को राजभाषा को लेकर कुछ शंकाएं या भ्रम था। पता नहीं क्यों उन्हें लगा कि राजभाषा के माध्यम से हिंदी उन पर थोपी जा रही है। वस्तुत: ऐसा था नहीं। हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय संविधान सभा में अपने देश की भाषा या भाषाओं को उचित स्थान दिलाने के लिए किया गया था। फिर भी यदि कुछ भ्रम हैं तो उनका उचित निराकरण होना चाहिए था। हिंदी समेत देश की सभी भाषाएं इस देश की पहचान हैं। सबको समान सम्मान मिलना चाहिए इसलिए मैं समझता हूं, चौदह सितंबर को हमें हिंदी दिवस के रूप में नहीं बल्कि भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाना चाहिए। अपनी भाषाओं का सम्मान करके ही हम अपनी पहचान सुरक्षित रख सकते हैं। यह गर्व की नहीं, दुर्भाग्य की बात है कि आज़ादी के अमृत-महोत्सव वर्ष में अंग्रेज़ी बोलना या अंग्रेजी माध्यम से पढ़ना शान की बात समझा जा रहा है। अंग्रेज़ी पढ़ने का विरोध नहीं होना चाहिए। अंग्रेजी एक समृद्ध भाषा है, दुनिया के कई देशों में अंग्रेजी के माध्यम से काम आसान हो सकता है। कुछ विषयों के संदर्भ में यह जरूरी भी हो सकता है लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि भारत के हर बच्चे के सिर पर अंग्रेजी सीखने का बोझ लाद दिया जाये। सच तो यह है कि हमारे देश में हिंदी नहीं, अंग्रेज़ी थोपी जा रही है। विरोध इसका होना चाहिए।

अंग्रेजी अंग्रेजों की भाषा है। विश्व भाषा नहीं। दुनिया के 75 प्रतिशत लोग अंग्रेजी नहीं बोलते। सिर्फ डेढ़ अरब लोग अंग्रेजी-भाषी हैं, इनमें से सिर्फ चालीस करोड़ की पहली भाषा अंग्रेजी है। चीन, जापान, रूस, जर्मनी जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में ही ज्ञान अर्जित किया है। ब्रिटेन के पड़ोसी देश फ्रांस के लोग आज भी अंग्रेजी बोलने में अपमान का अनुभव करते हैं। बहरहाल, भाषा के साथ मानसिकता का सवाल भी जुड़ा है। अंग्रेजी की गुलामी की भावना से हम उबर नहीं पा रहे इसीलिए फर्राटेदार अंग्रेजी बोलना चाहते हैं, अंग्रेजी माध्यम से पढ़कर खुश होते हैं! इस बीमार मानसिकता से उबरना होगा। जिस मानसिकता में हम जी रहे हैं, उसमें अंग्रेजी गर्व की नहीं, शर्म की भाषा है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार हिंदी में भाषण किया था, देश ने गर्व का अनुभव किया था। पर असली गर्व तो तब होगा जब अपने देश में अपनी भाषा में बोलकर हम गर्व का अनुभव करेंगे। आज तो हमारे नेता हिंदी या अन्य भारतीय भाषा बोलते हुए उसमें अंग्रेजी का छौंका लगाना गर्व की बात मानते हैं।

बिना माली खुद तैयार करें घर पर बगीचा

खूबसूरत बगीचे में सैर करने को मिले तो दिल खुश हो जाता है। इसके साथ मन और दिमाग दोनों ही तरोताजा हो जाते हैं। जिंदगी में चाहे कितना भी तनाव या परेशानियां क्यों ना हों, प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने के बाद मन को ताजगी मिलती है। आज की आधुनिक जिंदगी में प्रकृति को खुद के करीब महसूस करने का एक ही तरीका है और वो है अपना खुद का गार्डेन होना। ऐसे में आपको बागवानी करने के लिए थोड़ा प्रयास करने की जरूरत है। इसका दूसरा सबसे बड़ा फायदा यही है कि अपने पास किचन गार्डेन होने से आप जब चाहें कीटाणुनाशक और केमिकल से फ्री ताजी सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। मार्केट में मिलने वाली सब्जियों से ये ज्यादा ताजी होंगी। इन्हें खाने से आप ज्यादा बेहतर और स्वस्थ जीवन जी पाएंगे।

हम सभी जानते हैं कि आधुनिक जीवनशैली में हम लोगों के लिए बागवानी के लिए समय निकाल पाना कितना मुश्किल काम है। ऐसी परिस्थिति में, आपके लिए हम लेकर आए हैं किचन गार्डेन के कुछ आसान उपाय। जी हां, इनकी मदद से आपकी मॉडर्न बागवानी काफी आसान हो जाएगी। तो चलिए फिर देर किस बात की है। जानते हैं बागवानी करने के कुछ आसान और कारगर टिप्स के बारे में।

घास काटने के लिए कार्डबोर्ड का इस्तेमाल

बागवानी में कार्डबोर्ड मानव द्वारा निर्मित एक और ऐसी चीज है जो बहुत फायदेमंद साबित होती है। इसके लिए आपको कार्डबोर्ड को गीली घास की मोटी परत से ढकना होगा। इससे आपके बगीचे में हर जगह घास अच्छी तरह से फैल जाएगी।

प्लास्टिक फोर्क प्रोटेक्शन

कीड़ों को बगीचे से दूर रखने का सबसे आसान तरीका है कि आप जमीन पर कुछ प्लास्टिक के कांटे बिछा दें। इससे आप अपने पौधों को बेहरत तरीके से सुरक्षा दे सकते हैं। हालांकि आपको इनका सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना है।

प्लास्टिक पॉट गार्डनिंग

बागवानी की ऑर्गेनिक दुनिया में इन चीजों का इस्तेमाल करने का ये सबसे सही तरीका है। इसमें आपको एक प्लास्टिक पॉट लेना है और उसमें पौधा लगा देना है। इससे अगर किसी मौसम में पौधा खराब होता है तो आप बड़ी आसानी से उसे दूसरे पॉट में लगा सकती हैं। इससे नए पौधे के पोषण में कोई कमी नहीं आएगी।

बागवानी से जुड़े इन आसान से टिप्स को अपनाकर आप अपने किचन गार्डेन को बेहतर बना सकते हैं। इससे आपका बगीचा ज्यादा अच्छे से नियोजित रह सकता है। इससे न सिर्फ पौधे स्वस्थ रहेंगे बल्कि बगीचे में भी ताजगी रहेगी।

पौधों को भी चाहिए कंपनी

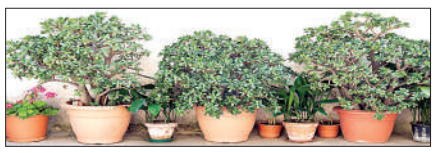

हम इंसानों की तरह पौधों को भी जिंदा रहने के लिए किसी के साथ की जरूरत होती है। ज्यादातर पौधों के दूसरे पौधे दोस्त की तरह होते हैं। ऐसे में अगर आप इन पौधों को एकसाथ या नजदीक रखते हैं तो इन्हें बढ़ने में मदद मिलती है। अगर आप अपने पौधों को जल्दी और हेल्दी तरीके से बड़ा करना चाहते हैं तो ये तरीका अपना सकते हैं।

जगह दें

अगर पौधों को पर्याप्त जगह दी जाए तो वह ज्यादा जल्दी बढ़ते हैं। सब्जी के बीज डालते समय मफिन ट्रे की मदद से छेद कर लें। इससे सामान्य तौर के मुकाबले पौधे ज्यादा बेहतर तरीके से उग पाएंगे।

पानी का पुनः उपयोग करना

धरती पर पानी की कमी भी हो रही है। गार्डेनिंग से आप पानी की बर्बादी से भी बच सकते हैं। हालांकि, इसका एक फायदा ये भी है कि जिस पानी से फल और सब्जियों को धोया जाता है, अगर वो पानी पौधों में डाल दिया जाए तो इससे उन्हें ज्यादा फायदा मिलता है। अंडों का उबला हुआ पानी भी पौधों में डाल सकते हैं। ये पौधे को प्राकृतिक तरीके से बढ़ने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

लड़का: वो दिन भी जल्दी आएगा, लड़की : तुम मुझे छोड़ तो नहीं दोगे..? लड़का: ऐसा सोचना भी मत! लड़की: मुझे रोज शॉपिंग कराओगे.? लड़का: क्यों नहीं बहुत सारी! लड़की : तुम्हारे जिंदगी में कोई और तो नहीं..? लड़का: नहीं बिल्कुल नहीं! लड़की – You Love ME NA...? लड़का ÑYES डियर लड़की – ®H DEAR??

लड़का आज एक लड़की का मैसेज आया लड़की- पोस्ट करने के सिवाये कुछ और भी आता है क्या ?? लड़का- हां जी, हाथ छोड़कर साइकिल चला लेता हूं.

इंटरव्यू में एक सवाल पूछा गया- बैंकों की खास बात बताओ बंदे ने जवाब दिया – बैंक वाले भी गजब हैं, सबको होम लोन देते हैं लेकिन खुद की ब्रांच किराए पर खोलते हैं

संता बंता के घर गया। वहांसंता ने सामने बंता और उसकी पत्नी फोटो रखी देखी। फोटो देखकर संता बोला- तुम्हारी और भाभी जी की जोड़ी राम और सीता जैसी हैं। संता की बात सुनकर बंता बोला- कहा है यार आजतक न तो तेरी भाभी को कोई रावण लेके गया और न ही आज तक ये खुद धरती में समाई।

कहानी | असली मां भी अब मौसी लगे

एक 20-22 साल का नौजवान सुपर मार्केट में दाखिल हुआ। कुछ खरीदारी कर ही रहा था कि उसे महसूस हुआ कि कोई औरत उसका पीछा कर रही है। मगर उसने अपना शक समझते हुए नजरअंदाज किया और खरीदारी में मसरूफ हो गया। लेकिन वह औरत लगातार उसका पीछा कर रही थी, अबकी बार उस नौजवान से रहा न गया। वह अचानक उस औरत की तरफ मुड़ा और पूछा, माँ जी खैरियत है? औरत बोली बेटा आपकी शक्ल मेरे मरहूम बेटे से बहुत ज्यादा मिलती जुलती है। मैं ना चाहते हुए भी आपको अपना बेटा समझते हुए आपके पीछे चल पड़ी, और आप ने मुझे मां जी कहा तो मेरे दिल के जज्बात और खुशी बयां करने लायक नही। औरत ने यह कहा और उसकी आँखों से आंसू बहने शुरू हो गये। नौजवान हता है कोई बात नहीं माँ जी आप मुझे अपना बेटा ही समझें। वह औरत बोली कि बेटा क्या आप मुझे एक बार फिर माँ जी कहोगे नौजवान ने ऊंची आवाज से कहा, जी मां जी पर उस औरत ने ऐसा बर्ताव किया जैसे उसने सुना ही ना हो, नौजवान ने फिर ऊंची आवाज़ में कहा जी माँ जी। औरत ने सुना और नौजवान के दोनों हाथ पकड़ कर चूमे, अपने आंखों से लगाऐ और रोते हुए वहां से रुखसत हो गई। नौजवान उस मंजर को देख कर अपने आप पर काबू नहीं कर सका और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, वह अपनी खरीदारी पूरी करे बगैर ही वापस चल दिया। काउंटर पर पहुँचा तो कैशियर ने दस हजार का बिल थमा दिया.... नौजवान ने पूछा दस हज़ार कैसे? कैशियर ने कहा आठ सौ का बिल आपका है। और नौ हजार दो सौ का आपकी मां के हैं, जिन्हें आप अभी मां जी मां जी कह रहे थे। वह दिन और आज का दिन, नौजवान अपनी असली मां को भी मौसी कहता है।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

खुशी से भरा अच्छा दिन है। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएं, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएं जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें।

वृषभ

आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। आज आपके मन में बहुत-सी सकारात्मक भावनाएं आयेंगी। इस राशि के बेरोजगार लोगों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन

आज आपको काम की गुणवत्ता को बनाये रखना होगा। अपरिचितों पर अधिक भरोसा न करें। थकान व चिंता रहेंगे। आज आपको किसी पुराने रोग से राहत मिल सकती है।

कर्क

किसी सज्जन पुरुष की दैवीय बातें आपको संतोष और ढांढस बंधाएंगी। उधार मांगने वाले लोगों को नजरअन्दाज करें। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताजा करने का दिन है।

सिंह

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। माता के आशीर्वाद से किये गये कामों में सफलता मिल सकती है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य में उतार- चढ़ाव बना रहेगा।

कन्या

आज प्रात:काल के समय आपका मन क्रोधित रहेगा। व्यर्थ धन का व्यय होगा। यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं लेकिन ऐसा आपको छुपकर करना होगा।

तुला

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक-मोर्चे पर आप ज्यादा खुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं।

वृश्चिक

ऑफिस के किसी जरुरी काम में सीनियर आपकी मदद कर सकते हैं, जिससे काम आसानी से पूरा हो जायेगा। इस राशि के जो लोग संगीत से जुड़े हैं, उनके लिये आज का दिन बेहतर है।

धनु

आज व्यवसाय के व्यक्ति को एक नया व्यापार भागीदार या प्रस्ताव मिल सकता है। अविवाहितों को एक लंबे समय के बाद मिलने का मौका मिल सकता है। अविवाहित व्यक्तियों को विवाह के लिए प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मकर

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। आप घूमने-फिरने और पैसे खर्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

कुम्भ

आज आत्मविश्वास और उम्मीदों से भरा दिन है। जीवन में कुछ कर गुजरने की ठान सकते हैं, कुछ नए अनुभव मिलेंगे। आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके धैर्य से दूसरे लोग कुछ सीखना चाहेंगे।

मीन

आज किसी नए कार्य का प्रारंभ न करें और क्रोध एवं आवेश में वृद्धि न आए इसका ध्यान रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफी वक्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।

अभिनेत्री नहीं, पत्रकार बनना चाहती थीं सोहा अली खान

बॉलीवुड | मसाला

सैफ अली खान की बहन सोहा अली खान अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चूजी हैं। इसीलिए, वो चुनिंदा फिल्मों या सीरीज में ही नजर आती हैं। सोहा अब प्राइम वीडियो की वेब सीरीज हश हश में एक अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। यह एक मर्डर-थ्रिलर सीरीज है, मगर महिलाओं के नजरिए से बनायी गयी है। प्रमुख पात्रों के साथ सीरीज के सभी क्रू मेंबर्स महिलाएं ही थीं। सीरीज में सोहा का किरदार एक पूर्व पत्रकार साइबा त्यागी का है। साइबा के दो बच्चे हैं और वो अपने परिवार के लिए समर्पित है, मगर जब उसका परिवार एक मुश्किल में फंसता है तो उसे दोबारा अपने प्रोफेशन की ओर लौटना पड़ता है। इस काम में उसकी सबसे बड़ी रुकावट इंस्पेक्टर गीता तेहलान है। इस किरदार को करिश्मा तन्ना निभा रही हैं, जो एक हत्या की गुत्थी सुलझा रही है। अपने किरदार साइबा को लेकर सोहा ने कहा- मैं असल जिंदगी में वकील या पत्रकार बनना चाहती थी, क्योंकि मुझे पढ़ने-लिखने और इनवेस्टिगेशन करने का बहुत शौक था, इसलिए यह किरदार निभाना मेरे लिए काफी रोमांचक अनुभव रहा। मैं अपने पिता के ऑफिस में जाकर नोट्स लिखती थी। हश हश में मुझे एक तरह से अपना पसंदीदा काम करने का मौका मिला है। वैसे, पर्दे पर पत्रकार बनना सोहा के लिए नया अनुभव नहीं है। 2008 में आयी मुंबई मेरी जान में सोहा ने एक कामयाब टीवी पत्रकार का किरदार निभाया था।

वरुण ने लगाई सोनाक्षी-जहीर के रिश्ते पर मुहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के अफेयर की चर्चा पिछले काफी समय से चल रही है। हाल ही में दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में एक साथ डिनर करते हुए स्पॉट किया गया। अब इन दोनों की एक फोटो सामने आई है, जिसे बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वरुण शर्मा ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा ओए होए, इसे कहते हैं ब्लॉकबस्टर जोड़ी। इसके साथ ही उन्होंने इस पोस्ट में सोनाक्षी और जहीर को टैग भी किया है। इस फोटो में सोनाक्षी और जहीर एक-दूसरे की तरफ देखते हुए स्माइल कर रहे हैं। इस पोस्ट के जरिए वरुण ने जहीर और सोनाक्षी के रिश्ते पर मोहर भी लगा दी है। जहीर और सोनाक्षी एक दूसरे को काफी लंबे समय से जानते हैं। दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट भी किया जाता है। कुछ समय पहले सोनाक्षी ने अपना ब्यूटी ब्रांड लॉन्च किया था, जिसके लिए कराए गए फोटोशूट में वो डायमंड रिंग फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं। इसके बाद से ही फैंस ने दोनों की सगाई होने के कयास लगाने शुरू कर दिए थे। जहीर इकबाल ने फिल्म नोटबुक से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं सोनाक्षी ने साल 2010 में आई फिल्म दबंग से अपना करियर शुरू किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान ने करवाई थी, जिसके बाद दोनों की दोस्ती हुई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो दोनों साथ में अपकमिंग फिल्म डबल एक्सएल में नजर आएंगे।

भोजपुरी | मन की बात

वीडियो लीक पर अक्षरा सिंह ने तोड़ी चुप्पी, कहा- चीप स्टंट

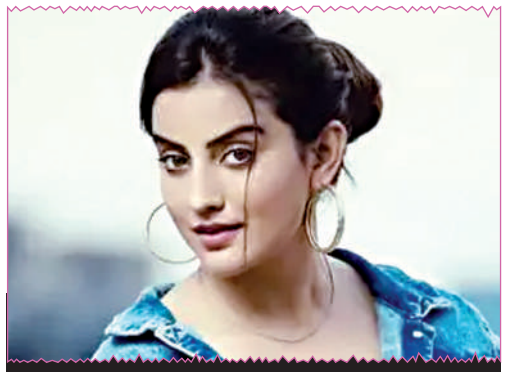

बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट, भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। हाल ही में इंटरनेट पर एक एमएमएस वीडियो वायरल हुआ जिसे अक्षरा सिंह का बता कर तेजी से शेयर किया जा रहा है। इसी बीच अब अक्षरा सिंह ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानती कि ये हरकत किसने की है, लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अक्षरा ने इसे चीप स्टंट बताया और कहा कि इस तरह की हरकत जिसने भी की है, मुझे इन सारी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। कोई कुछ भी बोले। मैंने यह एमएमएस वीडियो अभी तक देखा भी नहीं है। इसे वायरल करने वालों से पूछना चाहती हूं कि क्या मैं इस वीडियो में नजर आ रही हूं? मैं ऐसी चीप हरकत से टूटने वाली नहीं हूं, ना ही मुझे कोई फर्क पड़ता है। इसी बीच यूट्यूब पर अक्षरा का एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो रोती हुई नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं, इस वीडियो में अक्षरा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री पर भड़क भी रही हैं। वीडियो में अक्षरा अपने आंसू पोंछती नजर आ रही हैं और वे कह रही हैं, तंग करके रखा है। जो लोग मुझे पसंद करते हैं, वो पसंद करेंगे ही। चाहे मैं जहां पर भी जाऊं, जहां भी काम करूं। वीडियो में अक्षरा आगे कहती हैं कि आप किसी को नहीं रोक सकते। अपना काम करिए। अगर आपका बहुत बढ़ा नाम है। तो काम करके अपना नाम करिए। दर्शकों को नकली नाटक दिखाते हैं आप लोग। रियल बनिए, फेक मत बनिए। बता दें कि यह वीडियो दो साल पुराना है। पर इसे अब एमएमएस कांड के बाद अक्षरा का रिएक्शन बता कर वायरल किया जा रहा है। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए ऐसे एमएमएस कोई नई बात नहीं हैं। अक्षरा से पहले सिंगर शिल्पी राज भी एमएमएस लीक के चलते सुर्खियों में आई थीं। हालांकि बाद में शिल्पी ने दावा किया कि यह वीडियो उनका नहीं है।

शादी में बेटी पर थूककर आशीर्वाद देता है पिता, शादी बाद मुड़वा दिया जाता है सिर

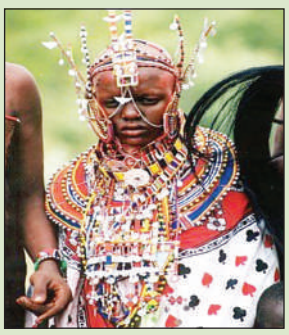

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जो रहस्मयी हैं। इनकी परंपराएं और रहन सहन सबसे अलग हैं। इनके रीति रिवाज भी बहुत विचित्र हैं। ऐसी कई जनजातियां आज भी हजारों साल पुरानी परंपराओं का पालन करती हैं। ऐसी जनजातियां ज्यादातर जंगलों में ही रहती हैं और बाहरी दुनिया के संपर्क में आने से बचती हैं। वहां की सरकारें भी इन प्रजातियों के अधिकारों में दखल नहीं देती हैं। ऐसी ही एक जनजाति है जो पूजा पाठ से लेकर शादी तक में अजीबोगरीब नियमों का पालन करती है। यह जनजाति केन्या और तंजानिया में रहती है। इस जनलजाति का नाम मसाई है। इस जनजाति में शादी के बाद दुल्हन को अजीबोगरीब तरीके से आशीर्वाद दिया जाता है। इस जनजाति के लोग दुल्हन के सिर पर थूककर आशीर्वाद देते हैं। इस जनजाति में जब लड़कियों की शादी होती है, तो विदाई के समय पिता दुल्हन के सिर पर थूकता है। बताया जाता है कि पिता इस तरह अपनी बेटी को आशीर्वाद देता है। यहां पर सदियों से यह परंपरा चलती आ रही है। विदाई के समय दुल्हन के सिर पर थूकने की परंपरा को पिता के प्यार जताने का तरीका बताया जाता है। पिता के थूकने को बेटी भी आशीर्वाद समझती है। वहीं इस जनजाति में लड़की वाले लड़के के परिवार वालों को दहेज देते हैं। हैरानी वाली बात यह है कि शादी के बाद दुल्हन का सिर मुड़वाया जाता है। विदाई के समय दुल्हन अपने पिता के सामने घुटने टेककर परिवार वालों से आशीर्वाद लेती है। इस दौरान दुल्हन के सिर पर बुजुर्ग थूकते हैं। बताया जाता है कि यह दुल्हन के लिए शुभ होता है। दरअसल, मसाई समुदाय के लोगों का मानना है कि थूकना सम्मान की बात है। इस जनजाति में जब भी कोई मेहमान आता है, तो हथेली पर थूककर स्वागत किया जाता है। शादी के बाद लड़की पीछे मुड़कर नहीं देखती है, नहीं तो कहा जाता है कि दुल्हन पत्थर में बदल जाती है।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे अद्भुत झील

जिसमें समाया है पूरा जंगल, जिसका रहस्य जानकर हैरान रह जाएंगे आप

दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबोगरीब चीजें हैं जिनका राज समझ पाना सबसे बस की बात नहीं है। आज हम आपको एक ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जो यकीनन रहस्यमयी है। दरअसल, ये रहस्य कैंडी नाम की एक झील से जुड़ा हुआ है। जिसे लेक कैंडी के नाम से जाना जाता है। जी हां ये एक झील है जो बेहद ही रहस्यमयी और दिलचस्प है। इस झील में पूरा जंगल पानी में समाया हुआ है। इस झील के अंदर बड़े विशाल पेड़ों को देखकर हर कोई हैरान रह जाता है।

बता दें कि लेक कैंडी नाम की ये झील कई तरह के पेड़ों से ढकी हुई है। बताया जाता है कि साल 1911 में इस इलाके में भयानक भूकंप आया था। जिसकी चपेट में पूरा इलाका आ गया था। इसी के साथ इसकी चपेट में पूरा जंगल भी आ गया था। तभी पेड़ों का विशालकाय हिस्सा झील में समा गया था।

हैरानी की बात यह है कि पेड़ों ने खुद को इस अनुसार ढाल लिया है कि अब इनकी नई शाखाएं पानी के अंदर ही कई फीट लंबी उग आती है। बता दें कि ये झील समुद्र तल से लगभग 2000 मीटर ऊपर स्थित है।

इसलिए इस झील का पानी काफी ठंडा रहता है। यह झील कजाखत्सान के अल्माटी से 280 किलोमीटर दूर स्थित है। हालांकि ये जगह पर्यटकों को काफी आकर्षित करती है। इस झील को देखने के लिए हजारों लोग रोजाना यहां पहुंचते हैं। सर्दियों के मौसम में यह झील आइस डाइविंग और मछली पकड़ने के लिए भी जानी जाती है। क्योंकि यहां इतनी सर्दी पड़की है कि पूरी झील का पानी बर्फ बन जाता है।

आप को कुचलने की बनायी जा रही योजना : केजरीवाल

» भ्रष्टाचार से नहीं आम आदमी पार्टी से लड़ रहे पीएम मोदी

» जनप्रतिनिधि सम्मेलन में भाजपा पर बरसे दिल्ली के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पहले राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन में रविवार को पार्टी संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि 10 साल पुरानी आम आदमी पार्टी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई का वध कर रही है। आप ईमानदार व कर्मठ होने के कारण जनता की पहली पसंद हो चुकी है और जनता को दी जा रही शिक्षा, स्वास्थ्य और फ्री-बी दूसरे दलों के गले नहीं उतर रही है। इस कारण आप को कुचलने की योजना बनाई गई है और उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे है। सत्येंद्र जैन व अमानतुल्लाह के बाद कई विधायकों को जेल भेजा जाएगा इसलिए विधायक जेल जाने की तैयारी कर लें।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित सम्मेलन में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी के खिलाफ लड़ रहे है जबकि पिछले 75 साल में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार भाजपा की सरकार ने किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि विदेशों में भाषणबाजी करने से भारत दुनिया का नंबर वन देश नहीं बनेगा। सबको अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा और किसानों को फसल का पूरा दाम देने से भारत दुनिया का नंबर वन देश बन सकता है। संविधान सभा ने कई महीनों तक काम करने के बाद देश का संविधान बनाया। अगले 60 साल में पार्टियों और नेताओं ने संविधान के चीथड़े उड़ा दिए। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 2012 को इस देश के संविधान को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी बनी और वह निरंतर बढ़ रही है। दुनिया के इतिहास में इतनी तेजी से किसी पार्टी का विकास नहीं हुआ। आप 10 साल पुराना एक बच्चा है और उसके सामने दशकों पुरानी पार्टियां हैं। श्रीकृष्ण ने बचपन में कई बड़े-बड़े राक्षसों का वध किया था। आप भी एक छोटी सी पार्टी है और ये भी कान्हा की तरह है। वह बड़े-बड़े राक्षसों के वध कर रही है। इस देश को विकास करने के लिए हर राज्य के अंदर आम आदमी पार्टी के बीज बो दिए हैं। अब ये बीज पेड़ बनेंगे। दिल्ली में यह बीज पेड़ बन गया है। अब यह पेड़ लोगों को खूब फल और ठंडी छांव दे रहा है। आम आदमी पार्टी का यह बीच पंजाब में भी पेड़ बन गया है और वहां भी लोगों को खूब ठंडी हवा, छांव और फल दे रहा है। अब गुजरात में भी आम आदमी पार्टी का यह बीज पेड़

जदयू अध्यक्ष ललन सिंह का दावा

नीतीश को यूपी की कई लोक सभा सीटों से चुनाव लड़ने का मिल रहा ऑफर

» सपा प्रमुख के साथ आने से मजबूत हुई है स्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी से खुद को लगातार अलग बता रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उत्तर प्रदेश की कई लोक सभा सीटों से चुनाव लड़ने का ऑफर मिल रहा है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा, यह नीतीश कुमार की इच्छा पर निर्भर है कि अगला लोक सभा चुनाव वे कहां से लड़ना पसंद करेंगे। सच यह है कि यूपी के अलावा देश के कई अन्य राज्यों से भी उन्हें चुनाव लड़ने के ऑफर लगातार मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभी नीतीश कुमार का मुख्य लक्ष्य विपक्षी दलों को एक मंच पर लाकर यह सुनिश्चित करना है कि केंद्र में अगली सरकार गैर भाजपा दलों की बने। लोक सभा चुनाव लड़ने न लड़ने का फैसला पूरी तरह नीतीश कुमार पर निर्भर है। माहौल बन रहा है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि देश में गैर भाजपा दलों की सरकार बनाने के लक्ष्य को नीतीश कुमार जरूर हासिल करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के प्रयागराज की फूलपुर लोक सभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना को वे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। खारिज भी नहीं कर रहे हैं। सिर्फ फूलपुर ही नहीं अंबेडकरनगर और मीरजापुर के पार्टी कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि नीतीश उनके क्षेत्रों से लोक सभा का चुनाव लड़े। गोलबंदी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के शामिल होने के बाद से स्थिति बेहद मजबूत हो गई है।

अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे हेमंत सोरेन

» विधायकी पर राजभवन की चुप्पी से हैं परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पिछले तीन हफ्ते से विधान सभा सदस्यता पर जारी संशय को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार खनन लीज मामले में चुनाव आयोग के मंतव्य के आधार पर राजभवन के फैसले के बढ़ते इंतजार को खत्म कराने के उद्देश्य से सीएम सोरेन शीर्ष अदालत जाने के लिये विधिक राय ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बीते गुरुवार को राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात कर चुनाव आयोग के मंतव्य की प्रति मांग चुके हैं। यही आग्रह उनके अधिवक्ताओं ने भारत निर्वाचन आयोग से भी किया है। इसके बाद सीएम सोरेन ने दिल्ली में कानून के जानकारों से विधिक राय भी ली। अनिश्चितता के कारण कार्यपालिका में शिथिलता की आशंका को आधार बनाते हुये सर्वोच्च न्यायालय से मामले में आदेश का आग्रह किया जा सकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधान सभा की सदस्यता मामले पर राजभवन का फैसला आना बाकी है। सबकी निगाहें राजभवन पर टिकीं हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, यूपीए के सांसदों-विधायकों का प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में चुनाव आयोग के सुझाव पर राजभवन के फैसले से अवगत कराने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्यपाल जल्द से जल्द इस पर अपने निर्णय से अवगत कराएं।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकते तेजस्वी

» कांग्रेस ने लालू यादव से मिलकर दिया निमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व राजद नेता तेजस्वी यादव को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास ने रविवार को राजद प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद से 10 सर्कुलर रोड पर मुलाकात की।

कांग्रेस नेताओं ने मुलाकात के दौरान लालू प्रसाद के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके स्वस्थ, दीर्घायु जीवन की कामना की। मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे। इस दौरान दास ने लालू प्रसाद के साथ राबड़ी देवी व तेजस्वी यादव को

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दास ने इस दौरान तेजस्वी यादव से भी यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मदन मोहन झा, मंत्री अफाक आलम, मुरारी गौतम, पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, डा. नरेश कुमार, राजद से रामचंद्र पूर्वे, जय प्रकाश नारायण यादव सहित दूसरे कई नेता मौजूद रहे। गौरतलब है कि राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। यात्रा सात सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुई। यह यात्रा 12 राज्यों से गुजरेगी और जम्मू कश्मीर में समाप्त होगी। यह यात्रा तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश होते हुए जम्मू-कश्मीर तक जाएगी। महत्वपूर्ण यह है कि राहुल की यात्रा बिहार, झारखंड जैसे राज्यों से नहीं गुजरेगी।

बिल के विरोध में 23 नवंबर को बिजली कर्मी करेंगे प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2022 और निजीकरण के विरोध में देशभर के बिजली कर्मचारी 23 नवंबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में उत्तराखंड के भी बिजली कर्मचारी शामिल होंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन की रविवार को श्रीनगर में फेडरल एग्जीक्यूटिव मीटिंग हुई। इसमें तय किया गया कि देशभर के पावर इंजीनियर 23 नवंबर को दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि अगर केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2022 पारित कराने की कोई एक तरफा कोशिश की तो देशभर के तमाम बिजली कर्मचारी और इंजीनियर हड़ताल पर चले जाएंगे। मीटिंग में तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, जम्मू कश्मीर, दामोदर वैली कारपोरेशन के लगभग 50 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे, सचिव पी रत्नाकर राव, चीफ पैट्रन पद्मजीत सिंह, पैट्रन के अशोक राव और पीएन सिंह के अलावा विभिन्न प्रांतों के बिजली इंजीनियर संघों के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए।

राहुल गांधी बनें कांग्रेस अध्यक्ष, राजस्थान से छत्तीसगढ़ तक उठी मांग

» राज्य कांग्रेस इकाई में प्रस्ताव पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नजदीक है। ऐसे में राहुल गांधी को एक बार फिर से कमान देने की मांग जोर पकड़ रही है। अब तक राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने राहुल को ही दोबारा अध्यक्ष बनाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आने वाले कुछ दिनों में अन्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी इस तरह से प्रस्ताव पर मुहर लगा सकती हैं।

कांग्रेस की राजस्थान इकाई ने राहुल को पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के लिए अनौपचारिक प्रस्ताव पास किया। पद की दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे राज्य के

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में हुई बैठक में मत सामने रखा। खास बात है कि ऐसा करने वाला राजस्थान पहला राज्य था। इसके अलावा राज्य के मंत्री प्रताप सिंह खचरियावास ने कहा कि एक और प्रस्ताव पास किया गया है, जिसमें आने वाले पार्टी प्रमुख को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष चुनने और राज्य के एआईसीसी सदस्य चुनने का अधिकार होगा। रविवार को राजस्थान की राह पर छत्तीसगढ़ भी चला। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले राज्य में राहुल को दोबारा अध्यक्ष बनाने और प्रदेश इकाई चुनने के लिए अधिकृत करने के संबंध में प्रस्ताव पास किया गया। राजधानी रायपुर स्थित राजीव भवन में आयोजित बैठक में दोनों प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। मीटिंग में प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम और राज्य के अन्य मंत्री शामिल रहे। सीएम बघेल ने बताया कि 310 डेलीगेट्स ने राहुल को अध्यक्ष बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों पर केडीए उपाध्यक्ष घिरे शासन के साथ लोकायुक्त भी करेंगे जांच!

» 4पीएम की खबर के बाद जागी सरकार, प्रमुख सचिव आवास ने की जांच की पुष्टि

» भाजपा नेता व केडीए बोर्ड से बर्खास्त सदस्य राम लखन रावत की शिकायत पर लोकायुक्त ने आईएएस अरविंद सिंह को किया तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रेषक,
अनिल कुमार सिंह,
एच0जे0एस0,
सचिव,
लोक आयुक्त, उ0प्र0,
लखनऊ।

लोक आयुक्त
उत्तर प्रदेश

पोस्ट बॉक्स नं0: 172 (जी.पी.ओ.)
टी0सी0-46/वी-1, विभूति खण्ड,
गोमती नगर,
लखनऊ-226 010
दूरभाष: 2728660
: 2306088
: 2306717
फैक्स: (0522)2306647

सेवा में,
श्री अरविन्द कुमार सिंह,
आई0ए0एस0,
उपाध्यक्ष,
कानपुर विकास प्राधिकरण,
कानपुर।

रजिस्टर्ड

संख्या-1147-2022/2/ दिनांक 07 सितम्बर, 2022

विषय-श्री राम लखन रावत, जिला कानपुर नगर द्वारा प्रस्तुत किये गये परिवाद के संबंध में।

महोदय,
उपर्युक्त विषयक परिवादी से प्राप्त परिवाद की छायाप्रति मय संलग्नक, संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे आपसे यह कहने का निर्देश हुआ है कि प्रश्नगत प्रकरण के संबंध में तथ्यात्मक, सुसंगत एवं तार्किक आख्या मय सुसंगत प्रलेख माननीय लोक आयुक्त जी के अवलोकनार्थ अधोहस्ताक्षरी को दिनांक 27-09-2022 तक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार
कुल पृष्ठ (49)

भवदीय
सचिव

पृष्ठांकन सं0:1147-2022/2/ 7746(1) तद्‌दिनांक
प्रतिलिपि श्री राम लखन रावत, पुत्र स्व0 रामलाल, निवासी-213/8, विजयनगर, मो0 शास्त्रीनगर, थाना काकादेव, जिला कानपुर नगर को सूचनार्थ प्रेषित।

सचिव

Website: www.lokayukta.up.nic.in
E-mail:lokayukta@hotmail.com

लखनऊ। 4पीएम में कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह के भ्रष्टाचार के आरोपों की खबर छपने के बाद अब सरकार जागी है। तीन महीने पहले की गई भ्रष्टाचार की शिकायत पर हीलाहवाली करने वाला शासन अब मौखिक रूप से इसकी जांच चलने की पुष्टि कर रहा है जबकि शिकायतकर्ता तक को इसकी जानकारी नहीं दी गई है। वहीं लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार की शिकायत पर अरविंद सिंह को तलब किया है और 27 सितंबर तक जवाब मांगा है।

केडीए बोर्ड से बर्खास्त सदस्य व भाजपा नेता राम लखन रावत ने लोकायुक्त कार्यालय में उनके भ्रष्टाचार की शिकायत की है, जिस पर 27 सितंबर तक उपाध्यक्ष से जवाब मांगा गया है। 49 पत्रों में दर्ज कराई गई शिकायत के माध्यम से राम लखन ने केडीए उपाध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायतकर्ता राम लखन रावत

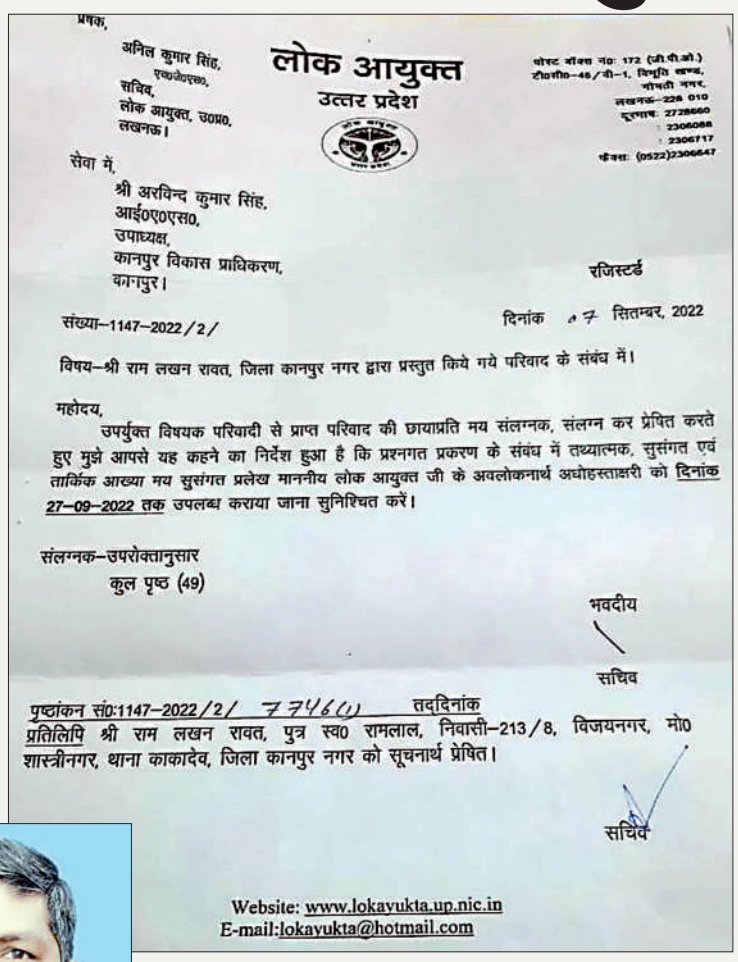

साथ ही उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले राम लखन मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर जांच की मांग कर चुके हैं। शासन स्तर से जांच के आदेश हो गए थे लेकिन उसको सार्वजनिक नहीं किया गया था। 4पीएम ने पिछले दिनों 14 सितंबर को उपाध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पूरी खबर विस्तार से प्रकाशित की थी, जिसके बाद शासन हरकत में आया और प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने उपाध्यक्ष के खिलाफ जांच लंबित होने की पुष्टि की और कहा कि जो भी भ्रष्टाचार के आरोप है उसमें किसी को बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि 21 जून को भाजपा नेता व तत्कालीन केडीए बोर्ड मेंबर रामलखन रावत ने उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत शासन स्तर पर शिकायत की थी। लेकिन आज तक इतने गंभीर आरोप होने के बावजूद भी इस प्रकरण में शासन स्तर पर जांच के कोई संकेत नहीं मिले। यहां तक कि शिकायतकर्ता को नहीं मालूम कि इस प्रकरण में कोई जांच चल रही है या नहीं। 4पीएम ने इस भ्रष्टाचार के पूरे मामले को उजागर करते हुए प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण से दूसरी बार जब जवाब मांगा तो जानकारी में आया कि इस मामले में जांच पहले से ही चल रही है। लेकिन जांच कमेटी में कौन-कौन शामिल है, जांच कहां तक पहुंची, इसके क्या निष्कर्ष निकले, इस बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन यह बात तय हो गई कि इस प्रकरण में वीसी के खिलाफ जांच चल रही है।

विवादों में रही है केडीए उपाध्यक्ष अरविंद सिंह की कार्यशैली

आईएएस अरविंद सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। ये जहां भी रहते वहां चर्चाओं में जरूर रहते हैं। खुद को सीएम का करीबी बताकर रौब गांठते हैं। अगस्त 2021 में केडीए के उपाध्यक्ष बने अरविंद सिंह के राज में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत बोर्ड सदस्य राम लखन रावत को इस कदर भारी पड़ गई कि उन्हें अपना पद गंवाना पड़ गया। बताया जाता है कि कानपुर मंडलायुक्त राजशेखर बतौर केडीए अध्यक्ष वीसी के फैसलों में बहुत ज्यादा हस्ताक्षेप नहीं करते। वीसी के कामकाज के तरीकों से उनके वरिष्ठ अफसर भी खुश नहीं माने जाते है। लेकिन पॉलिटिकल कनेक्शन के बूते वीसी साहब कुर्सी पर अब तक जमे है। भ्रष्टाचार की शिकायत पर वीसी मीडिया पर भी बिफरे रहते हैं। यहां तक कि कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान मीडियाकर्मियों को दलाल कह संबोधित कहने का वीडियो वायरल भी हुआ। शिकायत करने पर कमिश्नर ने कहा कि औचक निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी गलत है। इससे पत्रकार संगठनों में भी रोष है।

सपा विधायक ने पूछा, आखिर किसके दबाव में नहीं हो रही कार्रवाई

समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेई से उपाध्यक्ष की तनातनी जगजाहिर है। जिसको लेकर विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को पत्र लिखकर केडीए अफसरों की मीडिया कर्मियों के प्रति बदसलूकी का मामला उठाया था। हाल फिलहाल उन्होंने एक बार फिर केडीए उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर निशाना साधा है। राम लखन रावत के पत्र को ही ढाल बनाकर उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा और पूछा है कि आखिरकार किस दबाव में उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर कार्रवाई नहीं हो रही है। अब जब मामले ने तूल पकड़ लिया है तो निश्चित तौर पर अरविंद सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं क्योंकि केडीए के अंदर भी उनको लेकर असंतोष की स्थिति है। विधानसभा में भी विधायक ने केडीए उपाध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कई सवाल पूछे हुए हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

दुष्कर्म के बाद जलाई गई युवती की इलाज के दौरान मौत, गांव में पुलिस फोर्स तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत जिले में दुष्कर्म के बाद जलाई गई किशोरी की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई है। किशोरी की मौत के बाद उसके गांव में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया। पीलीभीत के माधोटांडा इलाके के एक गांव में सात सितंबर को किशोरी से दुष्कर्म किया गया, एक आरोपी ने किशोरी पर डीजल छिड़ककर आग लगा दी थी। जिला अस्पताल से 10 सितंबर को पीड़िता को लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इलाज के दौरान किशोरी की रविवार रात तीन बजे मौत हो गई। बता दें कि सात सितंबर को किशोरी घर पर अकेली थी। पिता खेत पर गए थे, जबकि मां पहले से मायके गई हुई थीं। दोपहर करीब 12 बजे गांव के दो युवक घर में घुस आए। आरोप है कि एक युवक ने किशोरी से दुष्कर्म किया। इसके बाद विरोध करने पर युवक ने अपने साथी की मदद से किशोरी पर डीजल छिड़क कर आग लगा दी और भाग गए।

संविधान की रक्षा के लिए भगवा पार्टी को सत्ता से रखें बाहर : येचुरी

» माकपा महासचिव ने साधा भाजपा पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा संविधान की रक्षा और लोगों के अधिकारों की गारंटी के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर रखा जाना चाहिए। पीटीआई के अनुसार येचुरी ने कहा कि हैदराबाद लिबरेशन में भगवा पार्टी की कोई भूमिका नहीं और वह इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आगे कहा, यदि आप भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में बचाना चाहते हैं, यदि आप भारतीय संविधान की रक्षा करना चाहते हैं और लोगों को गारंटीकृत अधिकार प्रदान किए जाते हैं, यदि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि सत्ताधारी दल के राजनीतिक दोस्त होने के लिए आधिकारिक एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं किया जाता है। आपको भाजपा को राजनीतिक सत्ता और सरकारी नियंत्रण से दूर रखना होगा।

माकपा महासचिव ने कहा कि 25 सितंबर को इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की रैली और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विभिन्न नेताओं के साथ बैठकें धर्मनिरपेक्ष दलों को एक साझा एजेंडे में लाने की पहल हैं। येचुरी ने बताया कि भाजपा तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर हैदराबाद राज्य के अनुबंध पर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आना चाहती है। इसलिए वे इतिहास को विकृत कर रहे हैं और सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।